

# गीत - अगीत

## 9<sup>th</sup> CLASS - HINDI - VIDEO BASED - STUDY MATERIAL

Highlights of the study material:

- Written in simple Hindi Language.
- Video Explanation for every Question in Telugu.

Explanation Video's ముందుగా చూడటానికి క్రింది you tube చానల్ link ను క్లిక్ చేసి subscribe చేసుకోండి.



<https://www.youtube.com/channel/UCCP59ogwtsxho12dqnvYbVg>

M.V.V.N.BALARAMAMURTHY,  
S.A. (HINDI), Z.P. HIGH SCHOOL,  
BALLIPADU, ATTILI MANDAL,  
WEST GODAVARI DISTRICT

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए:-

क. नदी का किनारों से कुछ कहते हुए बह जाने पर गुलाब क्या सोच रहा है ? इससे संबंधित पंक्तियों को लिखिए।

ज) नदी का किनारों से कुछ कहते हुए बह जाने पर गुलाब सोचने लगता है कि यदि भगवान मुझे बोलने की क्षमता देंगे तो अपने सपनों के गीत सुनाता। (देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के अपनों का  
मैं भी जग को गीत सुनाता।)

<https://youtu.be/XBKpfllGGqk>

ख. जब गुलाब गाता है तो शुकी के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है?

ज) जब शुक घनी वन में पेड़ की छाया में डाली पर बैठकर गाने लगता है तो घोंसले में पंख फुलाकर अंडे सेंकने वाली शुकी बहुत प्रसन्न हो जाती है। उसका मन प्रेम से भर जाता है। शुकी अपनी प्रसन्नता को दिखाते हुए गाना चाहती है। परंतु गा नहीं पाती, अपना प्रेम मौन में भेजती है।

<https://youtu.be/PkJWINWpylk>

ग. प्रेमी जब गीत गाता है तब प्रेमिका की क्या इच्छा होती है ?

ज) प्रेमी जब गीत गाता है तब प्रेमिका प्रेमी के उस स्वर को छिप-छिपकर सुनने लगती है। वह भी अपने स्वर को मिलाना चाहती है। परंतु मन में ही गुनगुनाने लगते रह जाती है।

<https://youtu.be/RYSLoRLfArU>

घ. प्रथम छंद में वर्णित प्रकृति की व्याख्या कीजिए।

ज) प्रथम छंद में कवि प्रकृति वर्णन सुंदर ढंग से कर रहे हैं। नदी विरह गीत गाते हुए अपनी बाधा किनारे को बताते हुए तेजी से बह रही है। वही पर रहने वाला गुलाब किनारे पर चुप-चाप खड़ा है। भगवान यदि उसे बोलने की शक्ति देता है तो वह भी पूरी दुनिया को अपनी कथा सुना सकती है। अपने सपनों के गीत को सुनाता।

<https://youtu.be/t-HoNkNZU8w>

ड. प्रकृति के साथ पशु-पक्षियों के संबंध की व्याख्या कीजिए।

ज) धरती पर निवास करने वाले सभी प्राणियों का संबंध प्रकृति के साथ रहता है। पशु-पक्षी अपना भोजन और आवास के लिए प्रकृति पर ही निर्भर रहती है। शुक और शुकी पेड़ पर घोंसला बनाकर रहती है। शुकी घोंसला बनाकर रहती है। शुकी घोंसले में अंडों की रक्षा करती रहती है। शुक प्रकृति की सुंदरता को देख कर खुश होकर गाने लगती है तो शुकी घोंसले में रहकर उसे मौन स्वर में गीत अपने भाषा में गाने लगती है।

<https://youtu.be/oOd85ZJZD64>

- 3 -

**च) मनुष्य को प्रकृति किस रूप में आंदोलित करती है? अपने शब्दों में लिखिए।**

**ज)** मनुष्य को प्रकृति कई रूपों में आंदोलित करती है। जैसे:- नदी कल-कल बहते हुए देखने लगता है तो उस संगीत रूपी ध्वनि में खो जाता है। गुलाब की सुंदरता से पशु-पक्षियों की मधुर आवाज़ से मुग्ध हो जाता रहता है। ये सभी प्राकृतिक चीजें मनुष्य के मन को लुभाती रहती हैं।

<https://youtu.be/VwHcjWmjVps>

**छ) सभी कुछ गीत है, अगीत कुछ नहीं होता। कुछ अगीत भी होता है क्या?**

**ज)** गीत मधुर स्वर से व्यक्त होती है। अगीत के स्वर मन के अंदर होता है। वे विचार बाहर सुनाई नहीं पड़ते हैं। परंतु कभी भी किसी भी क्षण मन की भावना बाहर आती है। तो अगीत-गीत में बदल जाता है। न मिलने पर अगीत में ही रह जाता है।

<https://youtu.be/Ke26OiE0BJA>

**ज) 'गीत - अगीत' के केंद्रीय भाव को लिखिए।**

**ज)** गीत-अगीत में प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण है। पशु-पक्षियों का प्रेम, नदी - किनारे पर खिली गुलाब का प्राकृतिक सौंदर्य संबंध, शुक-शुकी के माध्यम से जीव-जंतुओं का प्रेमभाव प्रिय-प्रेमिका मध्य के आल्हा गीत की अनुभूति आदि कई मानवीय राग केंद्रीय भाव के रूप में चित्रित किए हैं।

<https://youtu.be/4Hq57YfuPzA>

- 4 -

**2 संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए -**

**क. अपने पतझर के सपनों का मैं भी जग को गीत सुनाता**

**ज)** उपर्युक्त पंक्तियाँ गीत-अगीत नामक कविता पाठ से लिया गया है। इसके कवि श्री रामधारी सिंह दिनकर जी हैं।

प्रस्तुत पंक्ति में गुलाब अपनी वेदना को अगीत से सुना रही है। नदी कल-कल बहती हुई किनारे से बातें करती हुई आगे बढ़ जाती है। गुलाब अपने ही स्थान में मौन खड़ा होकर सोचता रहता है। भागवान उस गुलाब को बोलने की शक्ति देने पर अपने मन की विचारों को, पतझड़ की व्यथा को सुना सकती है। परंतु अब वह मौन से खड़ी अगीत में बता रही है।

<https://youtu.be/GztlDZWANI>

**ख. गाता शुक जब किरण बसंती  
छूती अंग पर्ण से छनकर**

**ज)** उपर्युक्त पंक्तियाँ गीत-अगीत नामक कविता पाठ से लिया गया है। इसके कवि श्री रामधारी सिंह दिनकर जी हैं।

इन पंक्तियों में शुक-शुकी के प्रेम का वर्णन मिलता है। घने पेड़ की शाखा पर शुक बैठ कर सूरज की किरणों से पुलकित होकर गाना शुरू करती है। इस गाने को शुकी घोंसले में सुनकर आकर्षित होने लगती है।

<https://youtu.be/jD63bdVEUYc>

**ग. 'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की  
बिधना' यों मन में गुनती है**

**ज** उपर्युक्त पंक्तियाँ गीत-अगीत नामक कविता पाठ से लिया गया है। इसके कवि श्री रामधारी सिंह दिनकर जी हैं। इनमें प्रेमी और प्रेमिका का वर्णन किया गया है।

प्रेमी शाम के समय अपनी प्रेमिका को बुलाने के लिए आल्हा गीत गा रहा है। प्रेमी प्रेमिका का गीत गा रहा है। प्रेमिका उस गीत को छुपके से सुनती है। गीत सुनकर पुलकित हो जाती है। वह भी प्रेमी की गीता का भाग बनना चाहती है। इसी भाव को अगीत में व्यक्त कर रही है। वह भी बहुत मधुर महसूस हो रहा है।

<https://youtu.be/RYSLoRLfArU>

**कविता का सारांश :**

**कवि परिचय :**

- \* 'गीत - अगीत' कविता के कवि श्री रामधारी सिंह दिनकर जी हैं।
- \* दिनकर जी राष्ट्रीय कवि हैं।
- \* 'ऊर्वशी' काव्य पर उनको ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला।
- \* प्रस्तुत कविता में प्रकृति सौंदर्य को नदी-फूल, पक्षी एवं मनुष्य के प्रेमी भाव के द्वारा सजीव चित्रण किए हैं।

**कविता का सारांश:**

- \* नदी कल-कल ध्वनि के साथ बहने लगती है।
- \* किनारे से बिछड़ने के भाव को अपनी ध्वनि द्वारा देती हुई बहने लगती है।
- \* उसी नदी के किनारे पर खिली गुलाब सोचने लगता है कि भागवान बोलने की शक्ति देता है तो वह भी पतझड़ के भावों को गीत में सुना सकती। इसी भाव को अगीत द्वारा दे रही है। (Poem-1)

- \* एक घनी पेड़ की छाया में एक शुक बैठकर वसंत की सूरज की किरणें छूने पर प्रसन्न भाव में गाने लगता है तो घोंसले में अंडों को सेकने वाली शुकी भी गाना चाहती है।
- \* लेकिन उसका स्वर न निकल पा रहा है।
- \* वह मौन से अगीत के रूप में अपने आनंद को प्रकट कर रही है।

**(Poem-2)**

- \* एक प्रेमी शाम के समय अपनी प्रेमिका को बुलाने के लिए आल्हा गीत गा रहा है।
- \* उस गाने को सुनकर प्रेमिका वहाँ आ जाती है।
- \* छुपके से उसे सुनने लगती है।
- \* उस गीत का हिस्सा बनना चाहती है। ले
- \* किन चुपके से अपने प्रेम को व्यक्त करती है।
- \* प्रेमिका की यह अगीत मधुर संगीत के समान है।

**(Poem-3)**

**विशेषताएँ:**

1. सरल भाषा का प्रयोग।
2. प्रकृति का सुंदर चित्रण।

<https://youtu.be/K1MIhtbW8QE>